अमर उजाला
बरेली
शनिवार, 15 अप्रैल 2017
amarujala.com

क्वालिटी के मानक पर खरा उतरा एसआरएमएस

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली।

चाहे बात मरीजों की सुरक्षा की हो या फिर क्वालिटी इलाज की। एसआरएमएस ने हर मानक को पूरा किया और देश का प्रतिष्ठित एनएबीएच यानी नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स का प्रवेश स्तर का प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है। यूपी में यह सर्टिफिकेट प्राप्त करने वाले अस्पतालों में श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज भी शामिल हो चुका है। यह प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाला प्रदेश का यह पहला मेडिकल कॉलेज है। हालांकि इसे अभी पूर्ण प्रमाण पत्र के लिए निर्धारित समय के अंदर कुछ विशेष शर्तों को पूरा करना है। बता दें कि देश के 446 अस्पतालों को यह प्रमाण पत्र प्राप्त है।

एनएबीएच के पहले चरण में सफलता मिल गई है जो अस्पताल टीम की कोशिश से पूरा हुआ। डेढ़ साल से तैयारी चल रही थी। तीन माह में कुछ और काम पूरा करके पूर्ण प्रमाण पत्र के लिए अप्लाई कर देंगे। दोबारा निरीक्षण होगा। एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज प्रवेश प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाला पहला मेडिकल कॉलेज बन गया है। **आदित्य मूर्ति, प्रशासक, एसआरएमएस**

एनएबीएच सर्टिफिकेट से नवाजा गया

एनएबीएच देश भर के अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और प्रयोगशालाओं को गुणवत्ता व रोगी सुरक्षा के लिए मान्यता देने वाली सबसे बड़ी संस्था है। एसआरएमएस मेडिकल इंस्टीट्यूट में क्वालिटी कंट्रोल ऑफ इंडिया की विशेष टीम ने 14 जनवरी 2017 को अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया था। यहां साफ सफाई के साथ ही कर्मचारियों का अनुशासन, मरीजों का विश्वास, इनकी सुरक्षा, इलाज में गुणवत्ता और कई मानकों को परखा गया। इसके बाद एनएबीएच द्वारा स्थापित मानकों का सत्यापन भी किया गया। टीम ने अस्पताल को बेहतर माना और इसे एनएबीएच द्वारा प्रवेश स्तर पर प्रमाणन प्रदान किया है। अभी अस्पताल को पूर्ण प्रमाण प्राप्त करने के लिए कुछ लक्ष्यों को प्राप्त करना है।